के प्रतिशत का अनुमान हैं। सभन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्वरोजगार उपलब्ध करायार जाता हैं जिसके अंतर्गत सरकार ऋण जुटाने और प्रति परिवार निवेश के बारे में लक्ष्य निर्धारित करती हैं। वर्ष 1995-96 और 1996-97 के लिए प्रति परिवार निवेश लक्ष्य क्रमशः 14,000 रूपये और 15,000 रूपए था। इसके अलावा ग्रामीण युवा स्वरोजगार प्रशिक्षण किया जाता हैं जिससे कि वे प्रशिक्षण के उपरोक्त स्वरोजगार/मजदूरी रोजगार शुरू कर सके।

गुजरात में लोक अभियान तथा ग्रामीण प्रौघोगिकी समुन्नति परिषद (कपार्ट) योजना

2443. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे** : क्या ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गुजरात में पिछले तीन वर्षो के दौरान लोक अभियान तथा ग्रामीण प्रौद्योगिकी समुलति परिषद योजना के विस्तार तथा प्रचार-प्रसार के उदेश्य को किस सीमा तक प्राप्त किया गया हैं;

(ख) तत्संबंधी जिला बार ब्यौरा क्या हैं;

(ग) राज्य में "कपार्ट" के अंतर्गत जिला-बार कौन-कौन सी योजनाएं सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई हैं तथा कौन-कौन सी योजनाओं को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई;

(घ) क्या "कपार्ट" योजनाओं का प्रसार सही ढंग से नहीं किया गया हैं; और

(ङ) राज्य के आदिवासी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उक्त कार्यक्रम को अत्याधिक लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार की क्या योजना हैं।

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री (श्री किंजरापू येरन्नायडु) : (क) से (ग) 1994 में अहमदाबाद में कपार्ट को क्षेत्रीय समिति की स्थापना से कपार्ट गुजरात में अपनी गतिविधियों का विस्तार करने में सक्षम हुआ हैं। इसके फलस्वरूप कपार्ट द्वारा गुजरात के स्वैच्छिक संगठनों के लिए स्वीकृत वित्तीय सहायता में निरंतर वृद्वि हुई हैं। विगत 3 वर्षो के दौरान गुजरात में स्वैच्छिक संगठनों की 289 परियोजनाओं की मंजूरी दी गई हैं। इन परियोजनाओं के लिए स्वीकृत राशि 1085.44 लाख रूपए हैं। विगत तीन वर्षो के दौरान गुजरात में कपार्ट द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं के जिला-वार ब्यौरे अनुपत्र में दिए गए हैं [देखिए परिशिष्ट 181 अनुपत्र संख्या 65] कपार्ट ने सूचित किया हैं कि स्वीकृत परियोजनाओं को कुल मिलाकर संतोषजनक ढंग से कार्यान्वित किया गया हैं/किया जा रहा हैं।

(घ) और (ड.) कपार्ट द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली ग्रामीण विकास कार्यक्रमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने के विचार से अहमदाबाद स्थित इसकी क्षेत्रीय समितियां आवश्यकता आधारित परियोजना प्रस्तावों का पता लगाने और बनाने में स्वैच्छिक संगठनों तथा जनजातीय क्षेत्रों के स्वैच्छिक संगठनों की सहायता करने हेतु समय-समय पर कार्यशालाओं के आयोजन में गुजरात राज्य के प्रमुख स्वैच्छिक संगठनों को भी शामिल किया जाता हैं। इसके अतिरिक्त, कपार्ट की गृह पात्रिका में उपलब्धियां प्रकाशित को जाती हैं। इन उपायो के अलावा कपार्ट इस प्रयोजनार्थ आकाशवाणी दूरदर्शन और क्षेत्रीय समाचार पत्रों जैसे मास मीडिया का उपयोग करने का प्रयास कर रहा हैं।

Implementation of land reforms

2444. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of RURAL AREAS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) whether the land reforms measures are not being implemented effectively in several States and particularly in Orissa;

(b) if so, the reasons for the tardy piogress of the land reforms measures;

(c) the position as on date?

THE MINISTER OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI K. YERRANNAIDU): (a) to (c) It is not afact that land reform measures are not being implemented in the States. As a result o4 the implementation of Land Ceiling Laws, an area of approximately 52 lakh acres has been distributed to more than 50 lakh rural beneficiaries mainly belonging to the weaker sections. Further, an area of about 25 lakh acres of Bhoodan land and 142 lakh acres of waste land have also been distributed. Around 1556 lakh acres has been consolidated. The relevant jfigures for the State of Orissa are, 1.59 lakh acres of ceiling surplus land distributed to 1.54 lakh rural poor aloog-with 5.80 lakh acres of Bhoonan land and 7.26 lakh acres of Waste-land. An area of 21 lakh acres has been consolidated in the state and out of total of 93984 acres of alienated tribal land, 50366 acres have been restored.

गुजरात में वित्तीय योजनाओं के अंतर्गत लाभन्वित हुए लोग

2445. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी** : क्या ग्रामीण क्षेंत्र और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में पिछले तीन वर्षो के दौरान तथा आज तक वित्तीय योजनाओं के अन्तर्गत लाभान्वित हुए लोगों की संख्या कितनी हैं;

(ख) क्या राज्य सरकार ने योजना में 40 प्रतिशत भाग का योगदान दिया हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं तथा यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) नेहरू रोजगार योजना के अंतर्गत कितने प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई हैं; और

(ड.) इस योजना के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का दुरूपयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या कितनी हैं?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री (श्री किंजरापू येरन्नायडु) : (क) इस मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किए जाने वाले प्रमुख गरीबी उन्नमूलन कार्यक्रम/योजनाएं योजना, (2) सुनिश्चित रोजगार योजना (3) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम/जवाहर रोजगार योजना तथा सुनिश्चित रोजगार योजना के अंतर्गत उपलब्धियों की निगरानी सृजित रोजगार के श्रमदिनों की संख्या के रूप में की जाती हैं। गत तीन वर्षो के दौरान गुजरात में जवाहर रोजगार योजना तथा सुनिश्चित रोजगार योजना के अंतर्गत उपलब्धियां निम्न प्रकार थी:-

योजना	रोजगार सृजन (लाख श्रमदिन)		
	1994-95	1995-96	1996-97
जवाहर रोजगार योजना	258.48	209.42	105.0
सुनिश्चित रोजगार योजना	35.26	92.45	122.98

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्धियों की निगरानी सहायता प्राप्त परिवारों की संख्या के रूप में की जाती हैं। गत तीन वर्षो के दौरान गुजरात